लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3220

31 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए

इस्पात के मूल्य

3220. श्री लखन लाल साहूः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान इस्पात के घरेलू मूल्यों में कोई उतार-चढ़ाव रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(ख) क्या घरेलू बाजार में कच्चे माल के कम मूल्य के बावजूद भी इस्पात के मूल्य में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस्पात के मूल्य में वृद्धि के कारण इस्पात विनिर्माताओं के लाभ में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी संयंत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस्पात क्षेत्र में कार्टेल के कारण इस्पात के मूल्य में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस्पात के मूल्यों में वृद्धि को रोकने तथा मांग और आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए सरकार द्वारा कौन से सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री विष्णु देव साय)**

(क): जी हाँ। कच्ची सामग्री की कीमतों में अस्थिर बदलाव, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू बाजार की माँग में उतार-चढ़ाव तथा अन्य वैश्विक व्यापार कारकों जैसे विभिन्न कारणों से इस्पात के मूल्यों में उतार-चढ़ाव हुआ है। विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष (नवंबर, 2018 तक) के दौरान प्रमुख इस्पात मदों के संबंध में खुदरा कीमतें (दिल्ली बाजार) निम्नवत् है:

घरेलू, वार्षिक, औसत, खुदरा कीमतें (दिल्ली बाजार) (रुपये / टन)				
मद	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**नवंबर, 2018**
टीएमटी 10 एमएम	36745	35237	42016	53737
एचआर क्वायल 2.00 एमएम	35542	38825	46233	56286

स्रोत: जेपीसी

(ख): विगत तीन वर्षों अर्थात् 2015-16, 2016-17, 2017-18 और चालू अवधि अर्थात् नवंबर, 2018 के दौरान प्रमुख कच्ची सामग्री की कीमतें नीचे दर्शायी गई है, जो 2015-16, 2016-17 में कीमतों में गिरावट (पिग आयरन को छोड़कर) परंतु उसके बाद सभी की कीमतों में हुई वृद्धि को इंगित करता है।

घरेलू, वार्षिक, औसत, खुदरा कीमतें (दिल्ली बाजार) (रुपये / टन)				
मद	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**नवंबर, 2018**
पिग आयरन	25094	28958	33966	41064
पेंसिल इनगोट्स	25458	25113	32998	42401
मेल्टिंग स्क्रैप एचएमएस-II	19383	17900	24670	30090
स्पंज आयरन (कोल)	18417	15500	22236	30123

स्रोत: जेपीसी

(ग) से (ङ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका केवल सुविधाप्रदाता की होती है। सुविधाप्रदाता के रूप में सरकार, कीमतों के मामले में घरेलू बाजार के रुझान और विकास की निगरानी करती है तथा उचित नीतिगत उपायों की घोषणा करती है। कीमतों के युक्तिकरण की मॉनिटरिंग करना, कीमतों के उतार-चढ़ाव का विश्लेषण करना तथा इस्पात सामग्री के असंगत कीमतों के संबंध में सभी को परामर्श देने के उद्देश्य से सरकार द्वारा माँग और आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए इस्पात मूल्य निर्धारण निगरानी समिति का गठन किया गया। इसके अतिरिक्त, सरकार की 'मेक-इन-इंडिया' पहल विनिर्माण और अवसंरचना पर बल देती है, जो देश में इस्पात की माँग और खपत को बढ़ावा देती है। सरकार ने दिनांक 08.05.2017 को राष्ट्रीय इस्पात नीति, 2017 और सरकारी खरीद में घरेलू विनिर्मित लोहा और इस्पात (डीएमआई एंड एसपी) को वरीयता प्रदान करने हेतु नीति को अधिसूचित किया। ये नीतियाँ इस्पात के घरेलू उत्पादन को सुदृढ़ करने और इस्पात की माँग तथा आपूर्ति के मध्य संतुलन बनाए रखने के लिए सुविधाजनक वातावरण सृजित करती है।

*****